एकात्म भारत के लिए
सुचेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

भाद्रपद, कृष्ण पक्ष दशमी
मंगलवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

24 सितंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmab-

संघ व भाजपा कार्यकर्ता की हत्या में शामिल तीन आतंकी गिरफ्तार

जम्मू

जम्मू कश्मीर पुलिस ने गत एक साल में चार बड़ी आतंकी वारदातों को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। जम्मू जोन के आईजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि पिछले एक साल में किश्तवाड़ में 4 आतंकी हमले हुए थे, किश्तवाड़ पुलिस ने सीआरपीएफ और एनआईए की सहायता से चारों केस सुलझा लिये हैं। तीन आतंकी गिरफ्तार किये गये हैं, जिनकी पहचान निसार अहमद शेख, निशाद अहमद और आजाद हुसैन के रूप में हुई है।

2 नवंबर 2018 को किश्तवाड़ में भाजपा नेता अनिल परिहार की उनके भाई सहित हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता चंद्रकांत शर्मा और उनके पीएसओ की हत्या कर दी थी। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में आईजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि इन आतंकी वारदातों की 2017-2018 में योजना बनाई गई थी। इसका उद्देश्य चिनाब वैली में आतंकवाद को दोबारा जिंदा करना था। योजना का मुख्य साजिशकर्ता जहांगीर सरूरी है, जो पुराना आतंकी है और किश्तवाड़ में सक्रिय है। साजिश के अनुसार सबसे पहले आतंकियों ने अनिल परिहार की हत्या की। साजिश में जहांगीर सरूरी, ओसामा, जायेद और डोडा के आतंकी हारून ने निसार अहमद शेख को शामिल किया। इन्होंने निशाद अहमद और आजाद हुसैन के घर में आतंकी ठिकाने बनाए। इन ठिकानों पर भी पुलिस ने छापेमारी की है, पुलिस को रायफल, मैगजीन समेत भारी मात्रा में हथियार मिले हैं।

राम लला विराजमान का इरादा ही था कि विवादित स्थल पर कब्जा किया जाए

मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने कोर्ट में कहा, जस्टिस बोबड़े ने कहा आस्था पर सवाल न उठाएं

एकात्म भारत. दिल्ली

श्री राम जनमभूमि मामले में ,सुनवाई के दौरान सुन्नी वक्फ बोर्ड के वकील राजीव धवन ने कोर्ट में कहा कि राम लला विराजमान का इरादा ही था कि विवादित भूमि पर कब्जा किया जाए। इस पर जस्टिस अशोक भूषण ने कहा कि महाकाव्यों में जन्मस्थान के बारे में है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अयोध्या के मामले में हिंदुओं के आस्था पर कैसे सवाल उठाया जा सकता है। ये मुश्किल हैउन्होंने कहा, एक मुस्लिम गवाह का बयान है कि हिंदुओं के लिए अयोध्या वैसे ही है जैसे मुस्लिमों के लिए मक्का का स्थान है। पढ़िए सर्वोच्च न्यायालय में हुई 29वें दिन की सुनवाई

राजीव धवनः धर्म शास्त्र के बारे में खुद से परिकल्पना नहीं की जा सकती है ये गलत होगा। जन्मस्थान की दलील विश्वास और आस्था पर आधारित है और अगर इस दलील को स्वीकार कर लिया गया तो इसका व्यापक असर होगा। वैदिक काल में सूर्य, नदी, पेड़ आदि की पूजा होती थी। हिंदू पक्षकार की दलील है कि ये तमाम चीजें न्यायिक व्यक्तित्व हैं। ये न्यायिक व्यक्तित्व की बात नहीं है बल्कि आदर का भाव है।

राजीव धवनः इस मामले में राम लला विराजमान का इरादा ही था कि विवादित स्थल पर कब्जा किया जाए और पुराने स्ट्रक्चर को तोड़ा गया ताकि नया मंदिर बने और दूसरे के शेबियत (मैनेजमेंट के अधिकार) को खत्म किया जाए।

जस्टिस अशोक भूषणः महाकाव्यों में जन्मस्थान के बारे में है। मूर्ति अलग अवधारणा है। स्वयंभू जन्मस्थान से अलग अवधारणा है।

धवनः धर्म शास्त्र की खुद से रचना नहीं की जा सकती है। समाज के परिवर्तन के लिए संविधान परिवर्तन की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी भी कहते हैं कि देश बदल रहा है, लेकिन इसके लिए संविधान बदलने की जरूरत नहीं है।

राजीव धवनः हिंदू पक्षकारों की दलील है कि भगवान राम वहां पैदा हुए थे। लेकिन जगह के बारे में उल्लेख नहीं है। राम के वहां जन्म के बारे में दलील है। पर क्या जन्मस्थान न्यायिक व्यक्तित्व हो सकता है। 1989 से पहले किसी भी ऐसे न्यायिक व्यक्ति के बारे में दलील नहीं थी।

राजीव धवनः हमारी दलील है कि पूरी की पूरी जमीन जन्मस्थान कैसे हो सकती है। हिंदू पक्षकार का ये दावा है लेकिन ऐसा नहीं हो सकता। जन्मस्थान तो एक निश्चित जगह पर हो सकता है पूरा इलाका कैसे हो सकता है।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ः अयोध्या के मामले में हिंदुओं के आस्था पर कैसे सवाल उठाया जा सकता है। ये मुश्किल है। एक मुस्लिम गवाह का बयान है कि हिंदुओं के लिए अयोध्या वैसे ही है जैसे मुस्लिमों के लिए मक्का का स्थान है।

राजीव धवनः हम भगवान राम का सम्मान करते हैं। जन्मस्थान का सम्मान करते हैं, इस देश में अगर राम और अल्लाह का सम्मान नहीं होगा तो देश खत्म हो जाएगा। ये देश विविधताओं वाला देश है। दुनिया का कोई देश इतनी विविधता वाला नहीं है।

राजीव धवनः हम परिक्रमा के विषय पर आते हैं। क्या किसी जगह पर परिक्रमा करने से उस जगह का मालिकाना हक तय किया जा सकता है। मेरा मानना है कि परिक्रमा पूजा का एक प्रकार है। वहां कुछ गवाहों ने कहा कि वह पंच कोसी की परिक्रमा करता था। कुछ ने कहा कि वह 14 कोसों की परिक्रमा करता था। कुछ ने कहा था कि चबूतरे की परिक्रमा करते थे। अलग-अलग गवाहों के अलग अलग बयान हैं और कुछ ने तो ये भी कहा था कि वह दक्षिण दिशा में परिक्रमा करते थे। इस आधार पर जमीन से देवता के संबंध स्थापित नहीं किए जा सकते।

जाधवपुर विवि की ओर जा रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज

एकात्म भारत. कोलकाता

जाधवपुर विश्वविद्यालय की ओर जा रही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की रैली को रोकने के लिए पुलिस ने सोमवार को लाठी चार्ज किया। इससे गुस्साए एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया और अवरोधकों को तोड़ने का प्रयास किया।

जाधवपुर विश्वविद्यालय परिसर में केन्द्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो पर गत 19 सितंबर को हुए कथित हमले के खिलाफ एबीवीपी ने दक्षिण कोलकाता में गरियाहाट क्षेत्र से रैली निकाली। कार्यकर्ताओं ने बताया कि एबीवीपी के कार्यकर्ता जैसे ही जोधपुर पार्क पहुंचे तो पुलिस ने सड़क पर बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच रैली निकालने को लेकर विवाद हुआ।

इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज शुरू कर दिया। बाद में पुलिस कर्मियों ने एबीवीपी छात्रों को रोकने की कोशिशें करनी शुरू कर दी। घोषणा की जा रही थी कि अगर छात्र पत्थर फेकेंगे तो रैली को गैरकानूनी घोषित किया जाएगा। छात्र अगर चाहें तो बैरिकेडिंग के अंदर रहकर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके बाद छात्र सड़क पर ही बैठ कर ममता बनर्जी, पुलिस व वामपंथियों के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। एबीवीपी का कहना था कि प्रशासन की मिलीभगत से बाबुल सुप्रियो पर योजनाबद्ध तरीके से हमला हुआ है। एबीवीपी की रैली को रोकने के लिए विश्वविद्यालय के गेट पर एसएफआई के छात्रों ने भी विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया था। उनके साथ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार व प्रोफेसर भी मौजूद थे। हालांकि इसके लिए शिक्षकों के संगठन जूटा के महासचिव प्रार्थप्रतिम रॉय ने कहा कि छात्रों के बीच कोई टकराव ना हो। अथवा किसी तरह की उकसावे वाली गतिविधि ना हो, इसलिए शिक्षक भी इनके बीच मौजूद हैं। गौरतलब है कि बाबुल सुप्रियो को जाधवपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने कई घंटों तक रोके रखा था।